RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

HISTORY

गुप्त साम्राज्य



LIVE 29-05-2024 7PM

कनिष्क (78AD-110AD)

★ रवैटक अभिलेख से कनिष्क के विम कडफिसेस का पुत्र होने का पता चलता है।
The Ravitaka inscription reveals Kanishka to be the son of Vima Kadphises.

★ इनकी दो राजधानियाँ थी। → 1. पुरुषपुर
They had two capitals. Purushpur

2. मथुरा Mathura

★ कनिष्क गद्दी पर बैठने से पूर्व: तक्षशिला का गर्वनर थे।
Before Kanishka ascended the throne: He was the governor of Takshashila.

★ कनिष्क के शासनकाल में बौद्ध धर्म की चौथी संगीति : कश्मीर के कुण्डल वन में वसुमित्र की अध्यक्षता में हुयी।
4th Music of Buddhism during the reign of Kanishka: Vasumitra in Kundal forest of Kashmir Held under the chairmanship of

चौथी बौद्ध संगीति : में बौद्ध धर्म दो शाखा में बँट गया। → हीनयान, महायान
forth Buddhist Council: In Buddhism, it was divided into two branches.

कनिष्क → 78 AD - 110 AD

↳ पिता - विम कडफिसिस

↳ रवैटक आश्मिलेख

↳ गद्दी पर बैठने — तक्षशिला, गवर्नर

↳ IV th बौद्ध संगीति → बौद्ध धर्म ↳ हीनयान, महायान

↳ कुंडलवन (कश्मीर)

↳ अध्यक्ष - वसुमित्र

राज्य ↳ पुरुषपुर, मथुरा

★ इन्हें द्वितीय अशोक भी कहा जाता है। He is also called the second Ashoka.

1. गांधार कला, मथुरा कला का विकास
1. Development of Gandhara Art, Mathura Art

2. शुद्ध सोने के सिक्के – (सूर्य देवता, हेलियोक्लीज का प्रतीक)
2. Coins of pure gold - (symbol of the sun god, Heliocles)

मूर्ति बनाने की (statue) कला

शक संवत् कनिष्क चलाया ⇒ कनिष्क (78 ई॰/78 AD) का प्रयोग भारत सरकार द्वारा किया जाता है।

3. दरबारी : (1) राजनैतिक कवि / लेखक – "अश्वघोष"

3. Darbari: (1) Political poet/writer - "Asvaghosh"

(2) नागार्जुन – (शून्य वाद का जनक / सापेक्षता का सिद्धांत)

(2) Nagarjuna - (Father of Zeroism/Theory of Relativity)

↓ → भारत का आइंस्टीन कहा जाता है।

अश्वघोष
नागार्जुन
चरक

पुस्तक :– प्रज्ञापारमिता सूत्र Book :- Prajnaparamita Sutra

(3) चरक – (चरक संहिता) – "चिकित्सा"

(3) Charaka - (Charaka Samhita) - "Medicine"

★ 78 ईस्वी में शक सम्वत् चला।

Saka era started in 78 AD.

वसुमित्र → IV th बौद्ध संगीति की अध्यक्षता

गुप्त साम्राज्य : [319AD-540AD]

भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग
(The Golden Era of Indian History)

★ संस्थापक : श्रीगुप्त Founder: Srigupta

→ उत्तराधिकारी

घटोत्कच Ghatotkach

★ चंद्रगुप्त प्रथम (319AD-334AD) Chandragupta I (319AD–334AD)

- गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है: चन्द्रगुप्त प्रथम को।
  The real founder of the Gupta dynasty is considered to be: Chandrgupta I.
- चंद्रगुप्त प्रथम जिस दिन गद्दी पर बैठा: 319 ई0 में गुप्त संवत् चलाया।
  The day Chandragupta I sat on the throne: In 319 AD, he started the Gupta Samvat.
- उसी दिन = राजा–रानी का सिक्का चलाया था।
  On the same day = King-Queen's coin was run.
  - पत्नी – (कुमार देवी)
    Wife - (Kumar Devi)

शक संवत् 78 AD

चन्द्रगुप्त I 319 AD
- गुप्त संवत्
- इसी दिन → राजा-रानी सिक्का चलाया था

चंद्रगुप्त I → 319 AD – 334 AD

- पिता → घटोत्कच
- पत्नी → लिच्छवी राजकुमारी कुमारदेवी
- गुप्त संवत् → 319 AD
- राजा – रानी सिक्के → 319 AD

बेटी

गद्दी पर बैठा।

★ समुद्रगुप्त (335AD-380AD) Samudragupta (335AD–380AD)

- भारत का नेपोलियन (इसने 9+12 राजाओं को हराया)

Napoleon of India (It defeated 9+12 kings)

→ विंसेट स्मिथ → Book → Early History of India → विंसेट स्मिथ

- कविराज Kaviraj
  - वाद्ययंत्र वीणा
  - सिक्कों पर वीणा बजाते हुए दिखाया गया।
- परम भागवत Param Bhagwat
- परम क्रमांक ultimate number
- लिच्छवी दौहित्र litchi dauhitar
- व्याघ्र पराक्रम tiger might
- समरशथ Samarshath
- काच Katch

१ आर्यावर्त (North)
२ दक्षिणावर्त (South)

हराया → समुद्रगुप्त

श्रीगुप्त → घटोत्कच → चन्द्रगुप्त I → समुद्रगुप्त

→ समुद्रगुप्त → विष्णु उपासक

★ यह संगीत प्रेमी था, सिक्के पर वीणा बजाते हुए दिखाया गया है।
He was a music lover, the coin is shown playing Veena.

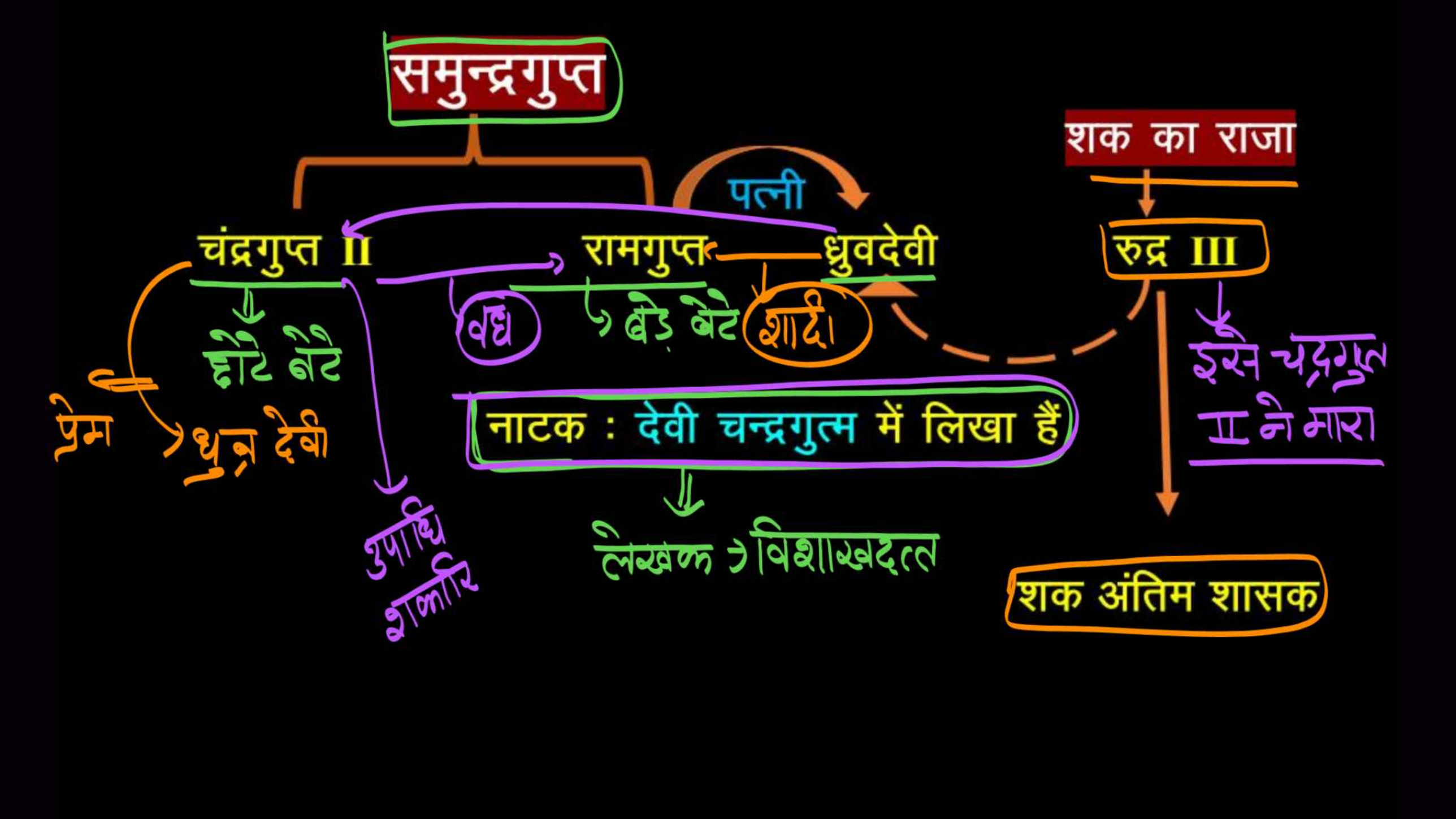
★ इनके दरबारी हरिषेण थे जिसने प्रयाग प्रशस्ति अभिलेख लिखा है।
His courtier was Harishen, who wrote the Prayag Prashasti inscription.

★ इसके पास एक संगठित नौसेना थी। It had an organized navy.

★ एरण अभिलेख → सती प्रथा प्रचलित थी।
Eran ~~records~~ - Sati practice was prevalent.

"भानु गुप्त" ने जारी कराया' Released by "Bhanu Gupta"

★ भाषा – संस्कृत Language – Sanskrit


समुन्द्रगुप्त
चंद्रगुप्त II
पत्नी
रामगुप्त
ध्रुवदेवी
वध
बड़े बेटे
शादी
छोटे बेटे
प्रेम
ध्रुव देवी
उपाधि शकारि
नाटक : देवी चन्द्रगुप्त में लिखा हैं
लेखक → विशाखदत्त
शक का राजा
रुद्र III
इसे चंद्रगुप्त II ने मारा
शक अंतिम शासक

कनिष्क विम कडफिसिस का पुत्र → रवैटक अभिलेख

गुप्त साम्राज्य का संस्थापक → श्री गुप्त

समुद्र अभिलेख → स्मिथ

प्रयाग प्रशस्ति " → वर्णन

शक संवत् → 78 AD

गुप्त संवत् → 319 AD